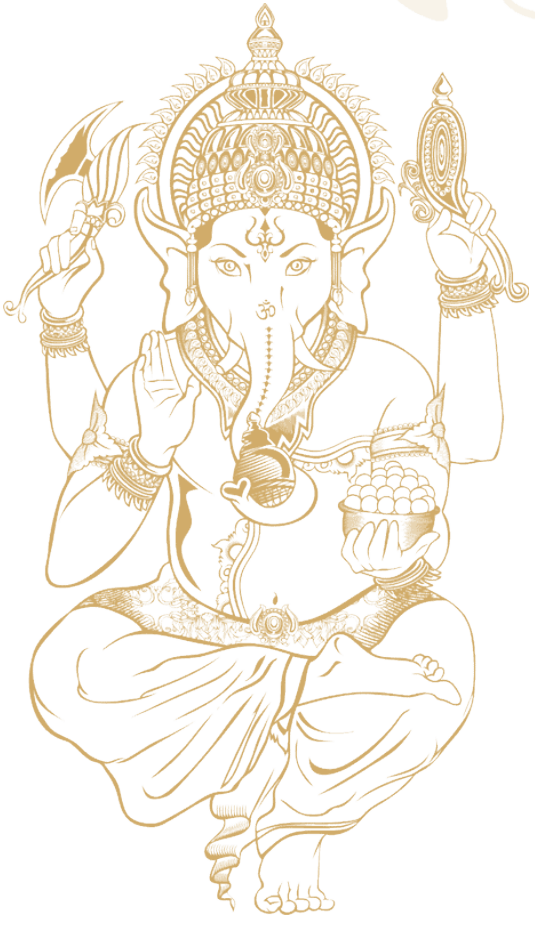

Divya daga

19 Mar 1999

07:04 AM

Bhilwara

Model: web-freekundliweb

Order No: 120880005

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/03/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:04:00 घंटे**
इष्ट	01:06:25 घटी
स्थान	**Bhilwara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:23:00 उत्तर
रेखांश	74:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:32:36 घंटे
वेलान्तर	-00:07:57 घंटे
साम्पातिक काल	18:17:16 घंटे
सूर्योदय	06:37:26 घंटे
सूर्यास्त	18:41:39 घंटे
दिनमान	12:04:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:09:36 मीन
लग्न के अंश	12:04:10 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:04:10	493:50:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मीन	04:09:36	00:59:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	21:38:08	14:44:34	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
मंगल	व		तुला	18:21:31	00:00:22	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	05:33:36	00:53:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मीन	14:02:39	00:14:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	06:56:33	01:12:34	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि			मेष	08:03:39	00:06:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	27:50:37	00:05:36	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	27:50:37	00:05:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:21:39	00:02:47	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:53:08	00:01:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:38:46	00:00:11	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	10:06:53	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:35

लग्न-चलित

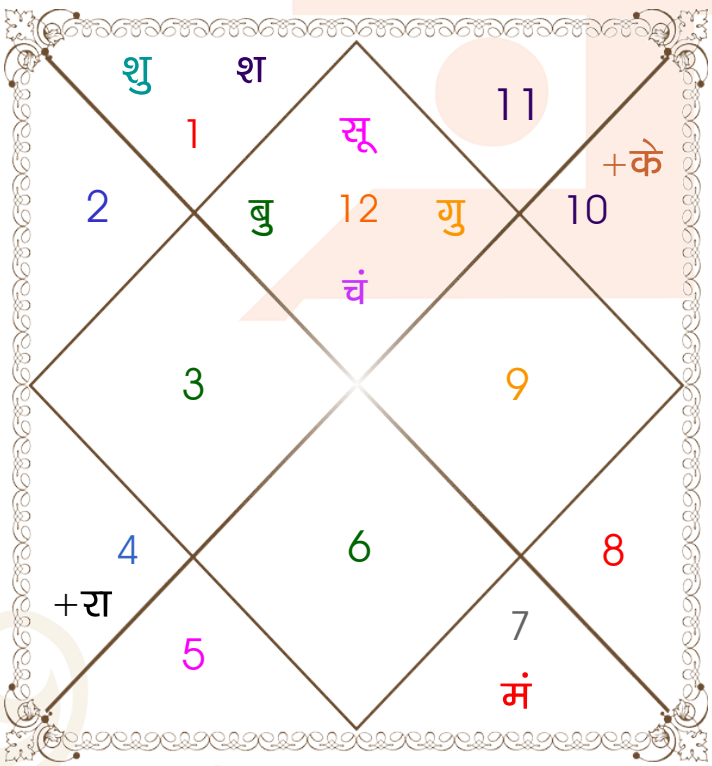

चन्द्र कुंडली

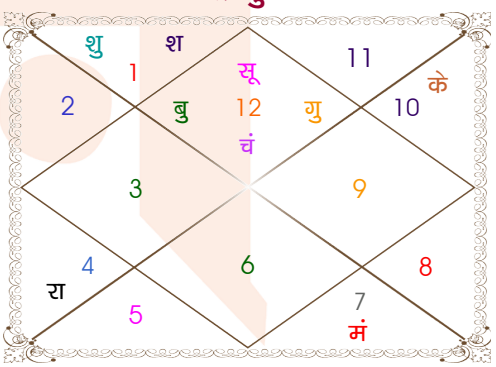

नवमांश कुंडली

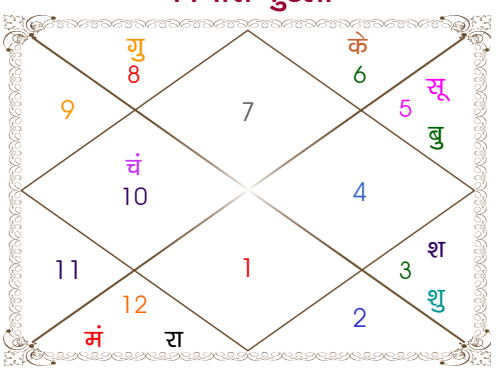

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 7 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/03/1999		16/11/2009		16/11/2016		16/11/2036		16/11/2042	
16/11/2009		16/11/2016		16/11/2036		16/11/2042		16/11/2052	
	00/00/0000	केतु	14/04/2010	शुक्र	17/03/2020	सूर्य	05/03/2037	चंद्र	17/09/2043
	00/00/0000	शुक्र	14/06/2011	सूर्य	18/03/2021	चंद्र	04/09/2037	मंगल	17/04/2044
	19/03/1999	सूर्य	20/10/2011	चंद्र	16/11/2022	मंगल	10/01/2038	राहु	17/10/2045
सूर्य	17/12/1999	चंद्र	20/05/2012	मंगल	16/01/2024	राहु	05/12/2038	गुरु	16/02/2047
चंद्र	17/05/2001	मंगल	16/10/2012	राहु	16/01/2027	गुरु	23/09/2039	शनि	16/09/2048
मंगल	15/05/2002	राहु	04/11/2013	गुरु	16/09/2029	शनि	04/09/2040	बुध	15/02/2050
राहु	01/12/2004	गुरु	11/10/2014	शनि	16/11/2032	बुध	11/07/2041	केतु	16/09/2050
गुरु	09/03/2007	शनि	20/11/2015	बुध	17/09/2035	केतु	16/11/2041	शुक्र	17/05/2052
शनि	16/11/2009	बुध	16/11/2016	केतु	16/11/2036	शुक्र	16/11/2042	सूर्य	16/11/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/11/2052		17/11/2059		16/11/2077		16/11/2093		17/11/2112	
17/11/2059		16/11/2077		16/11/2093		17/11/2112		00/00/0000	
मंगल	14/04/2053	राहु	30/07/2062	गुरु	04/01/2080	शनि	19/11/2096	बुध	15/04/2115
राहु	03/05/2054	गुरु	22/12/2064	शनि	18/07/2082	बुध	30/07/2099	केतु	12/04/2116
गुरु	08/04/2055	शनि	29/10/2067	बुध	23/10/2084	केतु	08/09/2100	शुक्र	11/02/2119
शनि	17/05/2056	बुध	18/05/2070	केतु	28/09/2085	शुक्र	08/11/2103	सूर्य	20/03/2119
बुध	14/05/2057	केतु	05/06/2071	शुक्र	29/05/2088	सूर्य	20/10/2104		00/00/0000
केतु	11/10/2057	शुक्र	05/06/2074	सूर्य	18/03/2089	चंद्र	22/05/2106		00/00/0000
शुक्र	11/12/2058	सूर्य	30/04/2075	चंद्र	18/07/2090	मंगल	01/07/2107		00/00/0000
सूर्य	18/04/2059	चंद्र	29/10/2076	मंगल	24/06/2091	राहु	07/05/2110		00/00/0000
चंद्र	17/11/2059	मंगल	16/11/2077	राहु	16/11/2093	गुरु	17/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।